समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक को सैटेलाइट शुरू करने की इजाजत, टेलीकॉम डिपार्टमेटं ने जारी किया Letter of Intent.

Publisher

Published on 08 May 2025

स्टारलिंक पृथ्वी के चारों तरफ चक्कर लगाने वाली उपग्रहों का इस्तेमाल कर इंटरनेट एक्सेस देती है. इसमे पृथ्वी के चारों ओर चक्कर लगाने वाले हजारों उपग्रहों का एक नेटवर्क होता है.

अमेरिका के रईस और अरबपति कारोबारी एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक को भारत में सैटेलाइट से जुड़ी इंटरनेट सेवाएं शुरू करने की केन्द्र सरकार की तरफ से इजाजत मिल गई है. इसके लिए बकायदा टेलीकॉम डिपार्टमेंट से लेंटर ऑफ इंटेंट भी जारी कर दिया गया है. सूत्रों के हवाले से समाचार एजेंसी पीटीआई ने बताया है कि स्टारलिंक ने राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित सभी शर्तों को मानने पर स्टारलिंक ने अपनी सहमति दे दी है.

जल्द शुरू होगी स्टारलिंक की सर्विस
एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक दुनियाभर में उपग्रह तकनीक का इस्तेमाल कर हाई स्पीड ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवाएं देती है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारतीय अंतरिक्ष प्राधिकरण जल्द ही इस पर अपनी अंतिम स्वीकृति दे सकती है, जिसके बाद भारत के सैटेलाइट स्पेस में स्टारलिंक भी जियो-एसईएस और इयूटेलसैट वनवेब के खिलाड़ियों की लाइन में आ जाएगी. इससे पहले सरकार ने Eutelsat OneWeb और Jio Satellite Communications को लाइसेंस जारी किया था.

गौरतलब है कि स्टारलिंक पृथ्वी के चारों तरफ चक्कर लगाने वाली उपग्रहों का इस्तेमाल कर इंटरनेट एक्सेस देती है. इसमें पृथ्वी के चारों ओर चक्कर लगाने वाले हजारों उपग्रहों का एक नेटवर्क होता है. ये उग्रह लो अर्थ ऑर्बिट (LEO) में स्थित होते हैं, जो पृथ्वी की सतह से लगभग 550 किमी दूरी पर है.

ट्रेडिशनल ब्रॉडबैंड से अलग करेगा काम

ये ट्रेडिशनल ब्रॉडबैंड सेवाओं से बिल्कुल अलग स्टारलिंक किसी केबल या फिर कुछ बड़े सैटेलाइट पर निर्भर नहीं होगा बल्कि सैटेलाइट्स के बीच communication के लिए लेजर का इस्तेमाल करता है. ऐसा करने से ग्राउंड स्टेशनों पर इसकी निर्भरता कम होती और लो लेटेंसी और हाई स्पीड इंटरनेट मिल पाता है.

दूरदराज में अपनी सेवाओं को देने के लिए स्टारलिंक जाना जाता है क्योंकि इसकी क्षमता बाकियों से बिल्कुल अलग है. उस परिस्थिति में खासकर जहां पर ट्रेडिशन इंटरनेट सेवाएं नहीं है. स्टारलिंक भले ही फाइबर-ऑप्टिक जैसी स्पीड न दे लेकिन सैटेलाइट कवरेज और लोकेशन के आधार पर 150 एमबीपीएस से लेकर 264 एमबीपीएस तक की स्पीड दे सकता है.

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.